Daily Current Affairs 20/12/2021

1. नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि P' का DRDO द्वारा सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया

चर्चा में क्यों?

- **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO)** ने ओडिशा के तट पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से नई पीढ़ी की परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल '**अग्नि P (प्राइम)**' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

प्रमुख बिंदु

- **अग्नि P** अग्नि श्रेणी की नई पीढ़ी की अत्याधुनिक उन्नत मिसाइल है।

- **अग्नि P** को **एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम** के तहत विकसित किया गया था।
- यह एक कनस्तरीकृत मिसाइल है जिसकी मारक क्षमता 1000 से 2000 किमी है।
- यह अग्नि प्राइम मिसाइल का दूसरा परीक्षण था।

अग्नि मिसाइल के बारे में:

- अग्नि मिसाइल भारत द्वारा विकसित मध्यम से अंतर महाद्वीपीय दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का एक परिवार है।
- अग्नि मिसाइलें लंबी दूरी की, परमाणु हथियार सक्षम सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल हैं।

परिवार में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अग्नि-I:** रेंज: 700-1,200 किमी (परिचालन)
- **अग्नि-II:** रेंज: 2,000-3,500 किमी (परिचालन)
- **अग्नि-III:** रेंज: 3,000-5,000 किमी (परिचालन)
- **अग्नि-IV:** रेंज: 3,500-4,000 किमी (परिचालन)
- **अग्नि-V:** रेंज: 5,000-8,000 किमी (परिचालन)
- **अग्नि-VI:** रेंज: 11,000-12,000 किमी (विकासाधीन)

विकसित मिसाइलें:

- मध्यम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल: **अग्नि**
- कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल: **पृथ्वी**
- कम दूरी की निम्न-स्तरीय सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल: **त्रिशूल**

byjusexamprep.com

- मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल: **आकाश**
- तीसरी पीढ़ी की टैंक रोधी मिसाइल: **नाग**

स्रोत: PIB

2. महिलाओं के लिए शादी की कानूनी उम्र बढ़ाना

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **महिलाओं के लिए शादी की कानूनी उम्र** 18 से बढ़ाकर 21 साल करने का फैसला लिया। पुरुषों के लिए शादी की कानूनी उम्र 21 साल है।
- इस फैसले के साथ, सरकार पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए शादी की उम्र को बराबर लाएगी।
- महिलाओं के लिए **शादी की कानूनी उम्र बढ़ाने** का कैबिनेट का फैसला **जया जेटली के नेतृत्व वाले पैनल** की सिफारिश पर आधारित है।

प्रमुख बिंदु

- बाल विवाह को अनिवार्य रूप से गैरकानूनी घोषित करने और नाबालिगों के साथ दुर्व्यवहार को रोकने के लिए कानून विवाह की न्यूनतम आयु निर्धारित करता है।

byjusexamprep.com

- हिंदुओं के लिए, हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 दुल्हन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और दूल्हे के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित करता है। इस्लाम में, युवावस्था प्राप्त कर चुके नाबालिग की शादी को वैध माना जाता है।
- विशेष विवाह अधिनियम, 1954 और बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 भी क्रमशः महिलाओं और पुरुषों के लिए विवाह के लिए सहमति की न्यूनतम आयु के रूप में 18 और 21 वर्ष निर्धारित करते हैं।
- हाल ही में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) 5 से पता चला है कि देश में **बाल विवाह** 2015-16 में 27 प्रतिशत से **मामूली रूप से कम** होकर 2019-20 में 23 प्रतिशत हो गया है, लेकिन सरकार इसे और नीचे लाने पर जोर दे रही है।

जया जेटली समिति के बारे में:

- जून 2020 में, महिला और बाल विकास मंत्रालय ने महिलाओं के पोषण, एनीमिया की व्यापकता और अन्य सामाजिक सूचकांकों के मुद्दों के साथ विवाह की उम्र के बीच संबंध को देखने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया।
- समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली की अध्यक्षता वाली समिति में NITI आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ वीके पॉल और कई मंत्रालयों के सचिव भी थे।
- समिति ने शादी की उम्र बढ़ाकर 21 साल करने की सिफारिश की है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

3. जैविक विविधता (संशोधन) विधेयक, 2021

byjusexamprep.com

चर्चा में क्यों?

- **जैव विविधता (संशोधन) विधेयक,** 2021, जो लोकसभा में पेश किया, **जैव विविधता अधिनियम, 2002** के दायरे से आयुष चिकित्सकों को छूट, और भारतीय पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र द्वारा जैविक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान के लिए उपयोग की सुविधा देता है।

- हालाँकि, कानूनी विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की है कि इस क्षेत्र के लिए मानदंडों में ढील पारिस्थितिकी के लिए हानिकारक हो सकती है और स्वदेशी समुदायों के साथ वाणिज्यिक लाभ साझा करने के सिद्धांत के खिलाफ जा सकती है।

प्रमुख बिंदु

- **जैव विविधता अधिनियम, 2002** जैव विविधता और निष्पक्ष, जैविक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान के वाणिज्यिक इस्तेमाल से मौद्रिक लाभ के समान बंटवारे के संरक्षण के लिए लागू किया गया था।

- विधेयक किसानों को औषधीय पौधों की खेती बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

- यह "भारतीय चिकित्सा प्रणाली" को बढ़ावा देना चाहता है, और भारत में उपलब्ध जैविक संसाधनों का उपयोग करते हुए अनुसंधान, पेटेंट आवेदन प्रक्रिया, अनुसंधान परिणामों

byjusexamprep.

के हस्तांतरण की फास्ट-ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करना चाहता है - "जैविक विविधता और उसका **नागोया प्रोटोकॉल** पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के उद्देश्यों से समझौता किए बिना"।

- मंत्रालय ने कहा, "संशोधन आवश्यक है क्योंकि 4 अक्टूबर 2012 को, भारत ने सामान्य संसाधनों तक पहुंच और उनके उपयोग से होने वाले लाभों के उचित और न्यायसंगत बंटवारे पर **नागोया प्रोटोकॉल** की पुष्टि की।"

स्रोत: HT

4. केंद्र सरकार: जैतापुर में 6 परमाणु रिएक्टरों के लिए ' सैद्धांतिक' मंजूरी

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र के जैतापुर में छह परमाणु ऊर्जा रिएक्टर स्थापित करने के लिए "सैद्धांतिक" मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- छह परमाणु ऊर्जा रिएक्टर, जिनकी प्रत्येक की क्षमता 1,650 मेगावाट होगी, **फ्रांस** के तकनीकी सहयोग से स्थापित किए जाएंगे।
- यह 9,900 मेगावाट की कुल क्षमता वाला देश का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा उत्पादन स्थल होगा।

नोट:

- देश में वर्तमान में स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता 6,780 मेगावाट है और 2020-21 में कुल बिजली उत्पादन में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग 3.1% है।
- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों ने अब तक लगभग 755 बिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया है, जिससे लगभग 650 मिलियन टन CO2 उत्सर्जन की बचत हुई है।
- इस संदर्भ में, परियोजनाओं के पूरा होने पर 6,780 मेगावाट की वर्तमान परमाणु ऊर्जा क्षमता को 2031 तक बढ़ाकर 22,480 मेगावाट करने की उम्मीद है।
- सरकार ने परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 में भी संशोधन किया है ताकि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के संयुक्त उद्यमों को परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने में सक्षम बनाया जा सके।

प्रचालन में परमाणु ऊर्जा संयंत्र:

- रावतभाटा (राजस्थान)
- तारापुर (महाराष्ट्र)
- कुडनकुलम (तमिलनाडु)
- काकरापार (गुजरात)
- कलपक्कम (तमिलनाडु)
- नरोरा (उत्तर प्रदेश)

byjusexamprep.com

- कैगा (कर्नाटक)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

5. प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखी

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में **गंगा एक्सप्रेस-वे** की आधारशिला रखी।

प्रमुख बिंदु

- कुल 594 किलोमीटर की लंबाई वाला छह लेन का यह एक्सप्रेस-वे 36,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया जाएगा।
- मेरठ के बिजौली गांव के निकट से शुरू होकर यह एक्सप्रेस-वे प्रयागराज के जुदापुर दांडू गांव के निकट तक जाएगा।
- यह मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज से होकर गुजरेगा।
- काम पूरा होने पर यह राज्य के पश्चिमी और पूर्वी इलाकों को जोड़ने वाला उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे बन जाएगा।
- शाहजहांपुर में इस एक्सप्रेस-वे पर वायुसेना के विमानों के आपात्कालीन टेक ऑफ और लैंडिंग में सहायता के लिए 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी भी बनाई जाएगी।
- इस एक्सप्रेस-वे के किनारे पर एक औद्योगिक गलियारा भी बनाने का प्रस्ताव है।

स्रोत: PIB

6. प्रधानमंत्री मोदी को भूटान के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया

चर्चा में क्यों?

byjusexamprep.com

- भूटान के महामहिम नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **'ऑर्डर ऑफ द ड्रूक ग्यालपो'** से सम्मानित किया।
- इसकी घोषणा भूटान की 114वीं राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर की गई थी।

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री मोदी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले विदेशी बने।
- यह विभिन्न सरकारों द्वारा दिया जाने वाला श्री मोदी का 10वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है।

नोट:

- हर साल, **17 दिसंबर** को, भूटान 1907 में वांगचुक राजवंश के जन्म की याद में **राष्ट्रीय दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- द **ऑर्डर ऑफ द ड्रैगन किंग (ड्रूक ग्यालपो)** भूटान साम्राज्य का सर्वोच्च पुरस्कार है, जिसे लोगों और भूटान साम्राज्य के लिए जीवन भर की सेवा के लिए सम्मानित किया जाता है।

स्रोत: द हिंदू

7. अवनि लेखरा ने 2021 पैरालंपिक अवार्ड्स में 'सर्वश्रेष्ठ महिला पदार्पण' का सम्मान जीता

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय निशानेबाज अवनि लेखरा** ने 2020 टोक्यो पैरालिंपिक में रिकॉर्ड तोड़ स्वर्ण पदक के लिए **2021 पैरालंपिक स्पोर्ट अवार्ड्स** में **"सर्वश्रेष्ठ महिला पदार्पण"** का सम्मान जीता।

प्रमुख बिंदु

- पुरस्कारों की घोषणा **अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति** द्वारा की गई।
- **अवनी लेखरा** पैरालम्पिक खेलों के एकल संस्करण में 2 पैरालिम्पिक पदक जीतने के लिए पहली भारतीय महिला बनीं।
- इस उपलब्धि के लिए उन्हें भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित किया गया था।

स्रोत: द हिंदू

8. SAIL ने प्रतिष्ठित स्वर्ण मयूर पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार 2021 प्राप्त किया

byjusexamprep.com

चर्चा में क्यों?

- इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL)** को इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा इस्पात क्षेत्र में **वर्ष 2021** के लिए प्रतिष्ठित **स्वर्ण मयूर पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- SAIL लगातार तीन वर्षों से इस पुरस्कार की विजेता रही है।
- SAIL जलवायु परिवर्तन के बारे में वैश्विक सरोकारों के प्रति संवेदनशील है। कार्बन फुटप्रिंट्स में कटौती करना इस कंपनी की कार्पोरेट नीतियों और परिचालनों का अभिन्न अंग बन चुका है।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) के बारे में तथ्य:

- **स्थापना:** 19 जनवरी 1954
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली

- **CEO:** सोमा मंडल

स्रोत: PIB

9. योगी आदित्यनाथ की यात्रा पर पुस्तक: 'द मोंक हू ट्रांसफॉर्मेड उत्तर प्रदेश' का विमोचन

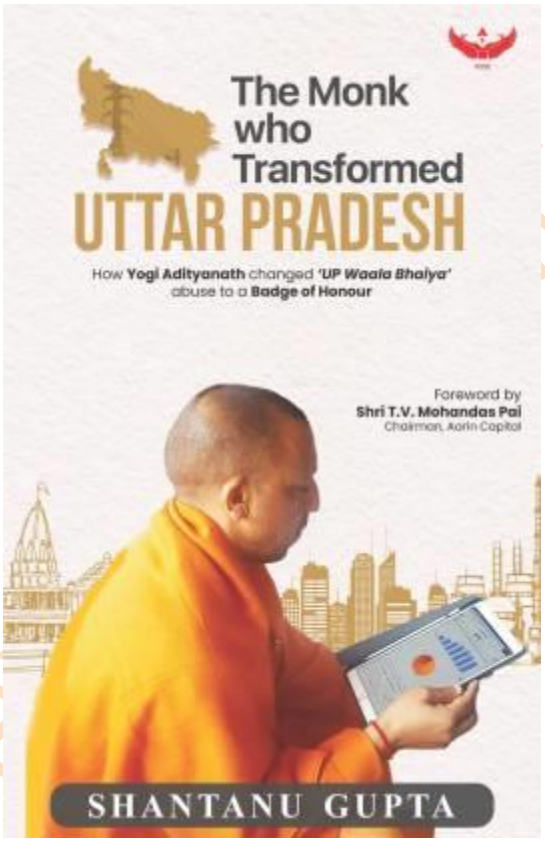

चर्चा में क्यों?

- लेखक **शांतनु गुप्ता** द्वारा लिखित, "द मोंक हू ट्रांसफॉर्मेड उत्तर प्रदेश: हाउ योगी आदित्यनाथ चेंज्ड UP वाला भैया' एब्यूज टू ए बैज ऑफ ऑनर", नामक पुस्तक को गरुड़ प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- यह नई किताब बताती है कि कैसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून और व्यवस्था, कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे और समग्र विकास जैसे विभिन्न पहलुओं में राज्य को बदल दिया।
- शांतनु गुप्ता की पूर्व में लिखी गई पुस्तकों में "भारतीय जनता पार्टी: अतीत, वर्तमान और भविष्य: दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी की कहानी" (2019) और "द मोंक हू बिकम चीफ मिनिस्टर" (2017) शामिल हैं।

स्रोत: ज़ीन्यूज़

10. 18 दिसंबर, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस

चर्चा में क्यों?

- **अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस** को वैश्विक प्रवास की समस्या और चुनौतियों से निपटने के लिए हर साल 18 दिसंबर मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2021 का **विषय** 'हर्नेस्सिंग द पोटेंशियल ऑफ ह्यूमन मोबिलिटी' है।

इतिहास:

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1999 में सभी प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों के सदस्यों के अधिकारों के संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बनाया।
- लेकिन 04 दिसंबर 2000 को, दुनिया भर में बड़े और बढ़ते प्रवासियों का हिसाब रखते हुए, 18 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस के रूप में तय किया गया था।
- इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस (18 दिसंबर) ब्रुसेल्स सम्मेलन के लगभग 70 साल बाद पड़ता है, जिसके कारण संगठन की स्थापना हुई, जिसे 1989 में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन का नाम दिया गया।

नोट: 2020 में लगभग 281 मिलियन लोग अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी थे, जो वैश्विक जनसंख्या का 3.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं।

स्रोत: un.org

byjusexamprep.com